2017 का वर्ष प्रारम्भ होगा कालसर्प योग में देगा चुनौतियॉ

– के0 ए0 दुबे पद्मेश

Office: 8/226, S. G. M. Plaza, Arya Nagar Crossing, Kanpur, U. P., India – 208002
Contact No.: +91-9935911117, +91-9559666666 | E-mail: contact@padmeshji.com | Website: www.padmeshji.com

2017 का वर्ष अत्यधिक महत्वपूर्ण भारत के लिए होगा। इस वर्ष लोकतंत्र का कारक ग्रह शनि 26 जनवरी को वृश्चिक राशि से धनु राशि में जायेगा। और 06 अप्रैल को वक्री हो जायेगा। 20 जून को वह वृश्चिक राशि में पुनः प्रवेश करेगा। 26 अगस्त को मार्गी होगा और 26 अक्टूबर को फिर से धनु राशि में प्रवेश करेगा अर्थात सत्ता एवं राजनीति 26 जनवरी 2017 से 26 अक्टूबर 2017 के मध्य उठापटक होगी। कई मुख्यमंत्री बदलेगें और कई राज पाल बदलेगें। कई केन्द्रीय मंत्री बदलेगें कई प्रान्तो के मंत्री पराजित होगें। लेकिन लोकतंत्र मजबूत होगा और इंडिया के स्थान पर भारत मजबूत होगा। भारतीय ज्योतिष परिषद के राष्टीय अध्यक्ष पंडित के0 ए0 दुबे पद्मेश ने ग्रहों का विश्लेषण करते हुए कहा।

पंडित पद्मेश ने बताया कि 2017 में सभी नौ ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा। और केवल एक ग्रहण खण्डग्रास चन्द्रग्रहण 07 अगस्त दिखेगा जबकि 2 सूर्यग्रहण 26 फरवरी और 21 अगस्त को होगें जो भारत में नहीं दिखेंगें। 07 अगस्त का चन्द्रग्रहण महिला राजनेताओं और महत्वाकॉक्षी महिलओं को समस्या देगा। राहु राजनीति का कारक ग्रह है वह सिंह राशि से कर्क राशि में 17 अगस्त को परिवर्तति होगा। उसी के साथ केतु मकर राशि में परिवतर्तित होगा। राहु और केतु का परिवर्तन छात्रों और अध्यापकों के लिए उत्तम होगा। उन्हें अगले 18 महीनों में कुछ करने और कुछ पाने की आकांक्षा की पूर्ति करायेगा।

पंडित पद्मेश ने बताया कि गुरू मांगलिक कार्य दाम्पत्य जीवन और सत्ता परिवर्तन नई नौकरियॉ देने का ग्रह माना गया है। गुरू कन्या राशि में है। 6 फरवरी को वक्री होगा। 10 जून को मार्गी होगा। इस अवधि में भारी राजनैतिक समीकरण बनेगें और बिगडेगें कई राजनेताओं के पद छिनेगें और कई को नए पद गुरू प्रदान करेगा। 12 सितम्बर को गुरू कन्या से तुला राशि में जायेगा शोध छात्रों अधिकारियों अध्यापकों पत्रकारों साहित्यकारों फिल्म कलाकारों के लिए श्रेष्ठ परिणाम देगा लेकिन 11 अक्टूबर से 06 नवम्बर के मध्य यह गुरू अस्त रहेगा। जिस कारण कई महत्वपूर्ण पदों में परिवर्तन करा सकता है। और कुछ को पद से मुक्त अथवा स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

वर्ष का प्रारम्भ 31 दिसम्बर की मध्य रात्रि कन्या लग्न में होगा। नक्षत्र होगा श्रवण और बनेगा कालसर्पयोग अनेक लोगों को अनेक प्रकार की चुनौतियॉ देगा। लोगों के अहंकार पर चोट होगी। सत्ता का कारक ग्रह बुध सूर्य के साथ बुध आदित्य योग बना रहा है जिस कारण सत्ता के लोगों के आत्मविश्वास को प्रभावित करेगा। लेकिन जनता का कारक ग्रह है चन्द्रमा जो पंचम स्थान में है। श्रवण नक्षत्र है युवाओं के लिए यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा और राजनीति में उनकी अहम भूमिका होगी । कई प्रान्तों में सत्ता परिवर्तन करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी।

तृतीय भाव में वृश्चिक का शनि राजनैतिक अनेक समीकरण बनायेगा और बिगाडेगा। यह शनि कई राजनेताओं को चुनौतियॉ देगा और कुछ के लिए बहुत ही संकट उत्पन्न करेगा।

छठे भाव में केतु मंगल और शुक्र की युति है। यह युति उत्तम नहीं है। जिसके कारण पारिवारिक रिश्तों में तनाव आयेगा। टूटते टूटते अनेक रिश्ते टूटने के कगार पर आयेगें। अपने ही लोग अपनो को सर्वाधिक प्रताड़ित करेगें। चाहे राजनैतिक पार्टी हों तो उनके ही दल के लोग उन्हें नुकसान पहुचाएगें। यह युति भीषण गर्मी और प्राकृतिक दुर्घटनाए भी देगी। कहीं सूखा तो कहीं बाढ और कहीं अन्य प्रकार के संकट लायेगी। लेकिन यह युति महॅगाई पर नियंत्रण करेगी। सड़क रेल वायुयान और अग्नि दुर्घटना से भी भारत को छति पहुॅचेगी।

विक्रम सवंत सर 2074 का राजा मंगल होगा और मंत्री होगा गुरू जिस कारण 2017 मे सरकारें आम जनता के हितों के लिए कल्याण कारी योजनाए देगी। शिक्षा, वित्त, मेडिकल, किसान और जमीन के मामलों में सरकार ऐसे कदम उठायेगी जिससे आम व्यक्ति को लाभ मिले। यह वर्ष चुनौती पूर्ण होने के बावजूद भी भारत को मजबूत करेगा आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भारत मजबूत होगा। धर्म में लोगों की आस्था बढेगी। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर देगा।

Office: 8/226, S. G. M. Plaza, Arya Nagar Crossing, Kanpur, U. P., India – 208002
Contact No.: +91-9935911117, +91-9559666666 | E-mail: contact@padmeshji.com | Website: www.padmeshji.com

आपके लिए कैसा होगा 2017

– के0 ए0 दुबे पद्मेश

Office: 8/226, S. G. M. Plaza, Arya Nagar Crossing, Kanpur, U. P., India – 208002
Contact No.: +91-9935911117, +91-9559666666 | E-mail: contact@padmeshji.com | Website: www.padmeshji.com

Aries / मेष

यह वर्ष परिवर्तन का वर्ष होगा। चल व अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यदि आप नए वाहन की योजना है तो इस वर्ष वह कामना पूर्ति होगी। 26 जनवरी से 20 जून के मध्य लम्बी यात्रा स्थानान्तरण अथवा मांगलिक कार्य की दिशा में चल रहे प्रयास सार्थक होगें। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य कुछ पारिवारिक कुछ व्यवसायिक समस्या रहेगी। बृहस्पति 12 सितम्बर तक विरोधियों को सक्रिय रखेगा तत्पश्चात परास्त होगें। और वर्ष के अन्त तक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। राहु 17 अगस्त को आपके राशि से चौथे होगा। जहॉ वर्ष के अन्त तक रहेगा। राजनैतिक सहयोग लेने में सफल होगें। जिससे व्यवसायिक सफलता मिलेगी। इस वर्ष लम्बी यात्रा का योग है। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। लेकिन 12 सितम्बर तक किसी रिश्तेदार या स्वजन के कारण तनाव भी मिलेगा। आपकी राशि से आठवे शनि 26 जनवरी तक रहेगा फिर 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य रहेगा इस अवधि में यह शनि कुछ न कुछ व्यवधान देगा जबकि 26 जनवरी से 20 जून के मध्य और 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य आपकी राशि से नवे होगा जो उपलब्धिपूर्ण होगा। इसी कालखण्ड में नए प्रयासों को प्रारम्भ करे।

Taurus / वृष

आपके लिए उतार चढाव का वर्ष होगा। 12 सितम्बर तक बृहस्पति पॉचवे होने के कारण शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता देगें। संतान के दायित्व की पूर्ति करायेगा। जबकि वही बृहस्पति 12 सितम्बर से 31 दिसम्बर के मध्य छठे होगा। जिस कारण से विरोधी सक्रिय होगा। स्वास्थ्य प्रभावित होगा। चने की दाल दान करें। आपका भाग्येश शनि 26 जनवरी तक सप्तम है। 26 जनवरी से 20 जून के मध्य अष्टम होगा। यह परेशानी लायेगा। संबधित अधिकारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिलेगा। लेकिन शनि 06 अप्रैल से वक्री हो जायेगा। और 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य आपकी राशि से सातवें होगा जिससे दाम्पत्य सुख मिलेगा। कैरियर के लिए उत्तम होगा। वर्ष का अन्त 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य फिर शनि आठवे होगा जो अप्रिय घटना दे सकता है। शनि का दान करे वह आपके लिए हितकारी होगा। राहु का भी इस वर्ष परिवर्तन होगा। 17 अगस्त तक आपके राशि से चौथे राहु है। जिस कारण व्यस्तता अधिक रहेगी। त्वचा का रोग और एलर्जी के प्रति सचेत रहे। तत्पश्चात राहु तीसरे होगा किया गया पुरूषार्थ सार्थक होगा। कैरियर के लिए उत्तम होगा।

Gemini / मिथुन

वाहन या सम्पत्ति का लाभ इस वर्ष प्राप्त होगा। यदि आप विवाह के दहलीज पर हैं तो विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। रोजगार की दिशा में भी सफलता मिलेगी। बृहस्पति संतान के दायित्व की पूर्ति करने में सहायक होगा। 12 सितम्बर के पश्चात गुरू आपके राशि से पॉचवे होगा जो शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में सफलता देने वाला होगा। उससे पहले यह बृहस्पति पारिवारिक तनाव देगा। बृहस्पति का दान हितकारी है। आपके लिए शनि का परिवर्तन सुखदायी होगा। 26 जनवरी से 20 जून के मध्य लम्बी यात्रा या मनचाहा स्थानान्तरण हो सकता है। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। लेकिन 20 जून और 26 अक्टूबर के मध्य किसी अधिकारी या सत्ता से नुकसान मिल सकता है। वाणी पर संयम रखे। षडयंत्र के शिकार भी हो सकते हैं। मंगल का परिवर्तन कष्ट ही देगा। इसलिए हनुमानजी की उपासना आपके लिए लाभदायी है।

Cancer / कर्क

पारिवारिक जीवन के लिए यह वर्ष उत्तम होगा। जहाँ कुछ समस्याए आएगी वहीं उपलब्धियाँ भी होगी। यद्यपि वर्ष का प्रारम्भ कालसर्प योग से हो रहा है अतः आपको वाहन चलाते समय विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है खासतौर से 17 अगस्त तक। गुरू आपके राशि से तीसरे हैं जहाँ 12 अगस्त तक रहेगें। किया गया पुरूषार्थ सार्थक होगा। मांगलिक कार्य की दिशा में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राहु राजनैतिक लाभ देगा। 17 अगस्त तक आप अपने विरोधी को परास्त करने में भी सफल हो सकते हैं। तत्पश्चात तीसरे राहु किए गए पुरूषार्थ को सफलता देगा। शनि का परिवर्तन 26 जनवरी को आपके राशि से छठे होगा। विरोधी सक्रिय रहेगा। तनाव दे सकता है। लेकिन 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि फिर से पंचम होगा और अपने बल बुद्धि से विरोधी को परास्त करने में सफल होगें।

Leo / सिंह

आपकी राशि पर राहु चल रहा है। जो नर्वशनेश को बढावा देता है। अपनों से तनाव देता है। व्यवसायिक मामलों में कुछ न कुछ व्यवधान देता है। 17 अगस्त को यह स्थिति समाप्त होगी। राहु बारहवे होगा। विरोधी परास्त होगें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यो में सफलता मिलेगी। शनि की स्थिति चौथे है। 26 जनवरी को शनि पंचम होगा। 20 जून तक शिक्षा प्रतियोगिता के लिए उत्तम है। नए अनुबन्ध प्राप्त होगें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यदि आप विवाह के दहलीज पर हैं तो विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि चौथे होगें। और यह शनि समस्या देगा पारिवारिक। इससे मुक्ति के लिए शिव जी की या हनुमानजी की उपासना अत्यन्त आवश्यक है। वेदान्त कवच धारण करें। 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य विरोधी परास्त होगें। पद व प्रतिष्ठा बढेगी। स्वास्थ्य का विकार दूर होगा।

Virgo / कन्या

आपकी राशि पर बृहस्पति है। जिससे आप जीवन साथी के कारण तनाव उठा रहे हैं। भले ही स्वास्थ्य के कारण हो। इस वर्ष 17 अगस्त तक आपकी राशि से राहु बारहवे है कोई ऐसा कार्य न करे जिससे पुलिस का सामना करना पडे। आठ दस जीवित मछलियॉ 17 अगस्त तक बहते हुए पानी में प्रत्येक बुधवार को डाले। और अपनी वाणी पर संयम रखे। खासतौर से 26 जनवरी से 20 जून के मध्य इस अवधि में आपकी राशि पर बृहस्पति राहु बारहवे और शनि चौथे होगें। यह कालखण्ड अपनी गलती के कारण संकट में डाल सकता है। वाणी पर संयम रखना ही एक मात्र उपाय है। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि तीसरे होगा। राहु केतु और बृहस्पति में भी परिवर्तन आयेगा जिससे विरोधी परास्त होगें। चल व अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत हेगा। यात्रा देशाटन या अन्य प्रकार कोई उपलब्धि भी होगी।

Office: 8/226, S. G. M. Plaza, Arya Nagar Crossing, Kanpur, U. P., India – 208002
Contact No.: +91-9935911117, +91-9559666666 | E-mail: contact@padmeshji.com | Website: www.padmeshji.com

Libra / तुला

चल या अचल सम्पत्ति का योग है। आपकी राशि से बारहवे गुरू चल रहा है जिस कारण से व्यर्थ की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 06 फरवरी को गुरू वक्री होगा 10 जून तक रहेगा। जो शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता देगा राजनैतिक महत्वाकॉक्षा की पूर्ति करायेगा। 12 सितम्बर को आपकी राशि पर आ जायेगा जहॉ वर्ष के अन्त तक रहेगा। यह मांगलिक कार्य में सफलता देगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। 11 अक्टूबर से 06 नवम्बर के मध्य गुरू अस्त रहेगा। जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होगा। इस अवधि में महामृत्युजंय का जप करे। आपके लिए शनि लाभदायी है। 26 जनवरी से 20 जून के मध्य तीसरे शनि होगा। किया गया पुरूषार्थ सार्थक होगा। राजनैतिक महत्वाकॉक्षा की पूर्ति होगी। नौकरी पद प्रतिष्ठा स्थानान्तरण यात्रा देशाटन के भी योग हैं। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि दूसरे होगा। व्यय करायेगा। कुटुम्ब के कारण चिंतित रहेगें। फिर भी उपलब्धिपूर्ण समय होगा। राहु का परिवर्तन आपके लिए लाभदायी होगा। 17 अगस्त को राहु आपके राशि से दशम होगें। जहॉ वर्ष के अंत तक रहेगा। राजनैतिक शासन सत्ता से संबधित कार्य सम्पन्न करायेगा।

Scorpio / वृश्चिक

आपकी राशि पर शनि की साढेसाती चल रही है। शनि का परिवर्तन में भी साढेसाती रहेगी। 26 जनवरी तक वाहन चलाते समय सावधानी रखे। 26 जनवरी से 20 जून तक शनि आपके राशि से दूसरे होगा। जिसमें व्यवसायिक सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होगें। आर्थिक मामलों में भी प्रगति होगी। लेकिन 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य पुनः शनि आपकी राशि पर आयेगा मति भ्रम करेगा। अहंकार देगा जिससे रिश्ते खराब होगें। व्यर्थ की परेशानी आयेगी। 26 अक्टूबर से फिर से धनु राशि पर शनि पहुॅच जायेगा। जो कि आपकी राशि से दूसरे होगा जहॉ वर्ष के अंत तक रहेगा। यह काल खण्ड उपलब्धिपूर्ण होगा। आर्थिक मामलों में सफलता देगा। इस वर्ष आपको स्थानान्तरण नई नौकरी के मामले में सफलता मिलेगी। किसी की जमानत सोच समझकर लें। राहु का परिवर्तन धार्मिक प्रवृत्ति देगा। 17 अगस्त से वर्ष के अंत तक कुछ उपलब्धियॉ देगा। राजनैतिक महत्वाकॉक्षा की पूर्ति में यह राहु सहायक होगा।

Sagittarius / धनु

आपकी राशि पर शनि आयेगा और जायेगा। फिर भी साढे साती बनी रहेगी। और समस्याए बनती और बिगड़ती रहेगी। 26 जनवरी से 20 जून के मध्य शनि आपकी राशि पर रहेगा। जो कि व्यर्थ की उलझने देगा। तनाव दे सकता है। इस कालखण्ड में वाणी पर संयम रखिए । 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि आपकी राशि से बारहवे होगा। कुटुम्ब से या आधीनस्थ कर्मचारी से पीड़ा मिल सकती है। व्यर्थ के विवाद में फंस सकते हैं। 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढेगी। यात्रा देशाटन की स्थिति आएगी। आपकी राशि का स्वामी गुरू 12 सितम्बर तक राशि से दसवे रहेगा। पिता या संबधित अधिकारी से सहयोग लेने में सफल होगें। 12 सितम्बर से 31 दिसम्बर के मध्य ग्यारहवे बृहस्पति धनदायक होगा। पारिवारिक सुख में वृद्धि करायेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। 17 अगस्त के पश्चात राहु आपकी राशि से आठवे होगा। रूपए पैसे के लेन देन में सावधानी बरते। षडयंत्र के शिकार हो सकते हैं।

Capricorn / मकर

चल या अचल सम्पत्ति के लिए यह वर्ष उत्तम है। आपकी राशि पर साढे साती 26 जनवरी से प्रारम्भ होगी। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाये और न ही षडयंत्र का हिस्सा बने। 20 जून तक कष्टदायी समय है। संतान या कुटुम्ब से कष्ट मिल सकता है। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। आर्थिक मामले में सफलता मिलेगी। धन यश कीर्ति में वृद्धि होगी। चल या अचल सम्पत्ति की दिशा में लाभ मिलेगा। 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य का कालखण्ड पारिवारिक दृष्टि से निर्बल होगा। अग्नि दुर्घटना या वाहन दुर्घटना के प्रति सचेत रहे। 17 अगस्त से केतु आपकी राशि पर होगा जो वर्ष के अंत तक रहेगा एक अज्ञात भय देगा। मन को अतृप्त रखेगा। लेकिन 12 सितम्बर से गुरू आपकी राशि से दसवे होगा जो कल्याणकारी कार्यो में सफलता देगा। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मान सम्मान में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर यह वर्ष कुटुम्ब से कष्टदायी व्यवसाय से प्रगति का है।

Aquarius / कुंभ

आपकी राशि पर केतु है। मन को अतृप्त रखता है। भयग्रस्त रखता है। यह स्थिति 17 अगस्त तक रहेगी। केतु आपके राशि से बारहवे और राहु छठे होगा। विरोधियों को परास्त करेगा। धार्मिक और व्यवसायिक मामलों में प्रगति करायेगा। बृहस्पति की स्थिति छठे है। और वह 12 सितम्बर तक रहेगी। धन व्यय करायेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर करायेगा। कर्ज की स्थिति भी बना सकता है। शाही खर्च से बचना होगा। लेकिन 12 सितम्बर वर्ष के अंत तक बृहस्पति आपके भाग्य भाव में होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। कोई नया कार्य करायेगा। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपकी राशि का स्वामी शनि 26 जनवरी को एकादश भाव में जाएगा जहॉ 20 जून तक रहेगा। इस कालखण्ड में व्यस्तता बढेगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी और चुनौतियॉ भी आयेगी। 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य शनि दशम होगा। शासन सत्ता पद प्रतिष्ठा सम्मान उपहार पुरस्कार भी दे सकता है। 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य शनि बाधाकारक भाव में होगा। बाधाए उत्पन्न करेगा। फिर भी मन प्रसन्न और उपलब्धियॉ बढती जाएगी।

Pisces / मीन

आपकी राशि से छठे राहु और बारहवे केतु शारीरिक कष्ट दे रहे हैं। बाधाए दे रहा है। 17 अगस्त से स्थिति में परिवर्तन होगा। और स्थिति सुखद होगी। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति आपके राशि से सातवे है। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। 12 सितम्बर तक आर्थिक रूप से प्रभावशाली होगें। व्यवसायिक प्रतिष्ठा बढेगी। धन सम्मान में वृद्धि होगी। नई सम्पत्ति पद और प्रतिष्ठा का लाभ देगा। लेकिन 12 सितम्बर से आठवे होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। रूपए पैसे में जोखिम न लें। शनि 26 जनवरी को आपके राशि से दसवे आ रहा है जहॉ 20 जून तक रहेगा। शासन सत्ता से लाभ देगा। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। मांगलिक कार्य की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यवसायिक प्रतिष्ठा बढेगी। लेकिन 20 जून से 26 अक्टूबर के मध्य भाग्य भाव में शनि आयेगा। धर्म गुरू या पिता का सहयोग मिलेगा। जिससे रूके हुए कार्य सम्पन्न होगें। 26 अक्टूबर से 31 दिसम्बर के मध्य पारिवारिक और आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपके लिए वर्ष उपलब्धिपूर्ण है लम्बी यात्राए मिलेगी। चल या अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

.

2017 आप के लिए सुखद हो

शिखर ज्योतिष पुरूष

पं0 के0 ए0 दुबे पद्मेश

राशिफल 2017 पढ़ें: www.padmeshji.com

Office: 8/226, S. G. M. Plaza, Arya Nagar Crossing, Kanpur, U. P., India – 208002
Contact No.: +91-9935911117, +91-9559666666 | E-mail: contact@padmeshji.com | Website: www.padmeshji.com